त्रैमासिक

दिग्विजय कैम्पस

राजनांदगांव, जुलाई–सितंबर 2018 वर्ष–2, अंक–7 (आंतरिक वितरण हेतु)

नये रिसर्च गाइड

दिग्विजय के आठ नये प्राध्यापक बने दुर्ग विश्वविद्यालय में शोध निर्देशक

बढ़ेगा महाविद्यालय में अनुसंधान का दायरा

*हेमचंद विश्वविद्यालय, दुर्ग ने दिग्विजय महाविद्यालय के आठ नये प्राध्यापकों /सहायक प्राध्यापकों को शोध निर्देशक का दर्जा दिया है। इनको मिलाकर कॉलेज में अब कुल शोध निर्देशकों की संख्या पन्द्रह हो गई है। नये शोध निर्देशकों के नाम हैं–डॉ. अंजना ठाकुर, डॉ. चंद्रकुमार जैन, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. बी.एन जागृत, डॉ. नीलू श्रीवास्तव, डॉ. प्रमोद महिश, डॉ. डाकेश्वर वर्मा और डॉ. प्रियंका सिंह। अगले दशक की शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नये शोध निर्देशकों से स्नातकोत्तर हिंदी के विद्यार्थी **कमल कुमार** और **कुमारी रामेश्वरी** ने बातचीत की जिसका सारांश इस प्रकार है–*

डॉ. चंद्रकुमार जैन

इसी महाविद्यालय के छात्र रहे डॉ. चंद्रकुमार जैन कुल छह विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि सहित एलएलबी भी कर चुके हैं। अपनी वक्तृत्व कला के लिए प्रसिद्ध डॉ. जैन की कुल सात पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। साथ ही आपके 10 इंटरनेशनल और 05 नेशनल शोधपत्र भी प्रकाशित हो चुके हैं। अगले दशक की शिक्षा के मद्देनजर आपका मानना है कि विद्यार्थी नये युग के स्वभाव और प्रभाव को ध्यान से समझें। नियमित पढ़ने की आदत डालें और सार्थक पढ़ें। सटीक परिणाम के लिए सतत अभ्यास भी जरूरी है। तकनीक को उपयो. गिता की दृष्टि से समझना आवश्यक है। उन्हें मूल विषय के साथ ही अन्य विषयों और भाषाओं का ज्ञानार्जन जरूरी है। पढ़ने के साथ ही लिखने की आदत बनाना और अच्छे बोलने वालों को सुनना, परामर्श लेना आदि विद्यार्थी का सहज गुण होना चाहिए। ऐसा होने से ही मंजिल मिलती है।

डॉ. नीलू श्रीवास्तव

अंग्रेजी विषय की सहायक प्राध्यापक डॉ. नीलू श्रीवास्तव के चार राष्ट्रीय और एक अंतरराष्ट्री शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। 'डिकेन्स मेजर नॉवेल्स' नाम से इनके अनुसंधान कार्य का पुस्तकाकार प्रक. ाशन दिल्ली से हो चुका है। आपका मानना है कि दुनिया की प्रतिस्पर्द्धी व्यवस्था में अपने को संभालना बहुत कठिन होते जा रहा है। यह प्रतिस्पर्द्धा और भी बढ़ने वाली है। इससे निबटने का एकमात्र उपाय कड़ी मेहनत है। विद्यार्थियों को चाहिए कि सफलता के लिए वे शॉटकट मार्ग न अपनाएं। उन्हें जीवन में सफल होने के लिए ईमानदारी के साथ गहरा अध्ययन करना आव यक है। उन्हें चाहिए कि वे अपना लक्ष्य निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए सतत प्रयासरत रहें।

डॉ. प्रियंका सिंह

रसायन विज्ञान की सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रियंका ने इसी महाविद्यालय से रसायन विज्ञान में एमएससी किया है। इससे पहले आप राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला में वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर कार्य कर चुकी हैं। डॉ. प्रियंका इस महाविद्यालय में सबसे कम उम्र की षोध निर्देशक हैं। अब तक आपकी कुल तीन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। साथ ही इनके 06 शोधपत्रों का प्रकाशन राष्ट्रीय स्तर के पत्रों में भी हो चुका है। विद्यार्थियों के लिए लक्ष्य निर्धारण और उसके लिए लगन होना ये आवश्यक मानती हैं।

डॉ. अंजना ठाकुर

राजनीति विज्ञान की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अंजना ठाकुर ने प्रच्छन्न व्यक्तित्व के सिद्धांत का राजनैतिक विश्लेशण विषय पर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। आपके कुल 10 राष्ट्रीय और 02 अंतरराष्ट्रीय शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। आपका मानना है कि आज की शिक्षा व्यवस्था में नैतिक मूल्यों का अभाव देखने को मिलता है। असली शिक्षा वह है जो समाज और देश को नैतिक गुणों से समृद्ध करे। जो अच्छे विद्यार्थी हैं वे अपने नैतिक बल से ही समाज को बलवान बनाते हैं।

डॉ. बी.एन. जागृत

जनकवि बाबा नागार्जुन के काव्य पर पीएचडी उपाधि प्राप्त डॉ. बी.एन. जागृत के कुल 04 अंतरराष्ट्रीय और 12 राष्ट्रीय शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। आपका विचार है कि आज की शिक्षा का स्वरूप ऐसा है जिसमें विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य नहीं दिखाई पड़ता है। सिर्फ डिग्री हासिल कर लेना शिक्षा नहीं हैं। अगले दशक में इसका स्वरूप बदलना ही चाहिए। विद्यार्थियों के लिए उनका संदेश है कि, योजनाबद्ध तरीके से करते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का प्रयास करें। सबकी सुनने के बाद स्वयं का निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना जरूरी है।

डॉ. प्रमोद महिश

बायोटेक्निोलॉजी के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रमोद महिश की अब तक दो पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। साथ ही सात अंत. रराष्ट्रीय और चार राष्ट्रीय स्तर के शोधपत्रों का भी प्रकाशन हो चुका है। कड़ी मेहनत में विश्वास रखने वाले डॉ. महिश का विचार है कि लक्ष्यविहीन अध्ययन से व्यक्ति के प्रयास व्यर्थ हो जाते हैं। जीवन में सफल होने के लिए भाग्य नहीं मेहनत पर भरोसा रखना जरूरी है।

डॉ. डाकेश्वर वर्मा

रसायन विज्ञान के सहायक प्राध्यापक डॉ. डाकेश्वर वर्मा की दो पुस्तकें और कुल बीस अंतरराष्ट्रीय शोधपत्रों का प्रकाशन हो चुका है। शांत स्वभाव के चिंतनशील डॉ. वर्मा अनुसंधान कार्य को बहुत गंभीरता से लेते हैं। उनका मानना है कि अनुसंधान का कार्य बहुत ही मेहनती और प्रतिभा संपन्न विद्यार्थी का काम है। इसमें आधी–अधूरी जानकारी से काम नहीं चलने वाला है। एक शोधार्थी के लिए जरूरी है कि वह अपने अनुसंधान से पहले विषय को काफी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

हिंदी दिवस पर हुए विविध कार्यक्रम

महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर प्रेरणास्पद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर हिंदी हिंदी साहित्य परिषद का उद्घाटन भी हुआ। विद्यार्थियों के बीच हिंदी अभिव्यक्ति की विविध प्रतियोगिताएं हुईं। पुरस्कार व प्रमाण–पत्र वितरित किये गये। प्रभारी प्राचार्य डॉ. चंद्रिका नाथवानी ने हिंदी की वर्तमान स्थिति पर अपने विचार प्रकट किया। साथ ही उन्होंने विजेता प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार और प्रमाणपत्र भी वितरित किये। विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय ने प्रस्तावित वक्तव्य में हिंदी से निर्मित भारत की पहचान के सूत्रों की चर्चा की।

डॉ. चंद्रकुमार जैन ने हिंदी चेतना को वाणी देते हुए आयोजन की भूमिका रखी। डॉ. बी.एन. जागृत, डॉ. राम आ ीश तिवारी, डॉ. नीलम तिवारी, डॉ. स्वाति दूबे, डॉ. भवानी प्रधान और प्रकाश दिवाकर ने विद्यार्थियों का अपने वक्तव्य से प्रोत्साहित किया। प्रभारी प्राचार्य द्वारा अंकों के आधार पर मनोनीत हिंदी साहित्य परिषद के पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की और उन्हें बधाई भी दी। अध्यक्ष विजय लक्ष्मी, उपाध्यक्ष कु. काजल पाण्डेय, सचिव टुमे वरी, सहसचिव दिले वरी सहित कार्यकारिणी के भूषण लाल, रविशंकर ओर कमल कुमार ने श्रेष्ठ रचनात्मक कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

हिंदी उद्गार प्रतियोगिता में कमल कुमार ने प्रथम तथा मुकेश कुमार ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। काव्यपाठ में कीर्ति पाल, प्रथम तथा महिमा सोनी द्वितीय रहीं। छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त सुमीत सोनी सहित सभी पंद्रह विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

शिक्षक दिवस पर

समाज कार्य विभाग द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह एवं पर्यावरण दिवस हरियाली महोत्सव का आयोजन किया गया

महाविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्राचार्य डॉ.आर. एन.सिंह,डॉ. एच.एस.भाटिया, डॉ.शैलेन्द्र सिंह ,डॉ. चन्द्रकुमार जैन, डॉ. अनिता भांकर, श्री संजय सप्तऋर्शि , श्री नूतन देवांगन, प्रो. बी.एल. क यप, श्रीमति ललिता साहू प्रो माजिद अली, डॉ. अनिल मिश्रा एवं सभी कर्मचारीगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह ने कहा कि युवा पीढ़ी में शिक्षा के प्रति जो भाव होती है वह कम होती जा रही है, आज आधुनिकता के बदलाव में नैतिक व्यवहार का पतन होते जा रहा है। माता–पिता को प्रथम गुरू का दर्जा दिया गया है। दूसरे स्थान पर शिक्षक को गुरू का दर्जा दिया जाता है आज के समय में गुरू और शिष्य का मुल्यांकन किया जाना आव यक है।

डॉ.एच.एस भाटिया ने इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि समय–समय पर ऐसा आयोजन होते रहना चाहिए । प्रो. विजय मानिकपुरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम अपने नैतिक कर्तव्यों को भूलतें जा रहें हैं इसको बनाये रखना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि सभी विद्यार्थियों को सामाजिक कार्य के लिए हमे आगे आकर कार्य करते रहना चाहिए। इसके लिए सभी को बधाई व शुभकामनाएं दिए।

डॉ चन्द्रकुमार जैन ने कहा कि शिष्य को अपने गुरू के प्रति आदर करना आव यक है हमें गुरू ही कठोर से नरम बनाता है। जिस प्रकार से एक कुम्हार मिट्टी को नरम बनाकर उसे मूर्ति का रूप प्रदान करता है उसी प्रकार गुरू भी शिष्य को सही राह बताकर परिपक्व बनाता है।

डॉ.एस. जेनामणि ने कहा कि शिक्षक और गुरू का संबंध महत्वपूर्ण होता है। सभी प्राध्यापकों के बीच प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। जैसे दीपक जलाओ, चिट निकालना एवं अन्य खेलो का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों को पौधे भेंटकर कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

नि:शुल्क स्पोकन इंग्लिश कक्षाओं का शुभारंभ

प्रत्येक वर्ष की भांति वर्तमान वर्ष में भी **अंग्रेजी विभाग**, द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क स्पोकन इंग्लिश कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने 10.09.18 को इस का भुभारंभ किया। इस अवसर पर विभागीय प्राध्यापकों सहित विशेष प्रशिक्षक कु. निमिशा एवं श्री चिरंजीव उपस्थित रहे।

प्राचार्य महोदय ने विधार्थियों के बीच अंग्रेजी के महत्व पर प्रकाश डाला एवं उन्हें कक्षाओं में नियमित उपस्थित रहने एवं सजग सहभागिता के लिए प्रेरित किया। ट्रेनर कु. निमिशा एवं श्री चिरंजीव ने विद्यार्थियों के परिचय लिए एवं प्रभावी परिचय के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दिए। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता शंकर के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

संपादकीय

धारा– 497 : कुछ विचार

27 सितंबर 2018 को सर्वोच्च न्ययालय की पांच सदस्यीय पीठ ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है जिसे 'एडल्टरी' अर्थात् विवाहेत्तर संबध के नाम से जाना जाता है। इस न्यायिक निर्णय को महिला सशक्तिकरण और उसके विषेश अधिकार से जोड़कर देखा जा रहा है। फैसले का मूल स्वर यह है कि महिला किसी पति की न तो निजी संपत्ति है और न ही उसकी दासी। उसे अपने दैहिक सुख–सुविधा के बारे में स्वयं निर्णय लेने का न सिर्फ मानवीय बल्कि न्यायिक अधिकार भी है। वह स्वेच्छा से, अपने जीवन साथी की स्वीकृति के बिना परपुरुश के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए स्वतंत्र है। एक नजर में इस निर्णय ने देश के बौद्धिक वर्ग की नीद उड़ा दी है। ऐसा नही है कि देश की सर्वोच्च न्यायपीठ ने एकाएक किसी दबाव में यह फैसला सुनाया है। इस विवाहेत्तर संबंध के मामले को सोचने–समझने और उस पर निर्णय लेने में भारतीय न्यायपीठ को 158 साल का वक्त लग चुका है।

उल्लेखनीय है कि आइपीसी की धारा 497 के अंतर्गत वर्णित इस विवाहेत्तर संबंध को आज से 33 साल पूर्व न्यायाधीश वाय.वी चंद्रचूड़ ने जिसे संवैधानिक मान्यता प्रदान की थी, उसी फैसले को उनके पुत्र न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने असंवैधानिक करार दिया है। मुख्य न्यायाधीश माननीय दीपक मिश्रा का इस बारे में कथन है कि भारत ने ब्रिटेन के कानून को अपनाया है। प्रसंगवश उल्लेख करना आव यक है कि दिसंबर 2017 में, इटली में रहने वाले एक केरल वासी भारतीय व्यवसायी जोसेफ शाइनी ने सर्वोच्च न्यायालय में धारा 497 को भारतीय महिलाओं की निजता के विरूद्ध काम करने वाला कानून बताते हुए एक जनहित याचिका दायर की थी। कानून की धारा कहती है कि पति की सहमति से परपुरुश के साथ संबंध बनाये जा सकते हैं। किन्तु पत्नी स्वेच्छा से यही काम करती है तो उसका पति तो परपुरुश पर मुकदमा दायर कर सकता हैं, लेकिन जो पुरुश परस्त्री से संबंध बनाता है उसकी पत्नी मुकदमा दायर नहीं कर सकती थी। धारा 497 के अनुसार किसी पुरुष द्वारा पराई स्त्री की सहमति से भी शारीरिक संबंध बनाया जाता है तो पति की शिकायत पर स्त्रीगामी पुरुष दोशी करार दिया जा सकता था। इसके तहत पांच साल की सजा या जुर्माना अथवा दोनों की सजा सुनाई जा सकती थी।

अब नये निर्णय के पीछे न्यायालय का तर्क है कि आ. इपीसी की धारा 497 संविधान के अनुच्छेद 21 और 14 का उल्लंघन करती है। मतलब कि कानून नागरिक की मानवीय गरिमा और महिलाओं को समाज में बराबरी के अधिकार से वंचित कर रहा है। अब यहां विचारणीय तथ्य यह है कि उक्त धारा और उसके संबंध में लिये गए निणर्य में नैतिकता के लिए कोई स्थान है या नही। कानून एक न्यायिक विधान है और नैतिकता हमारी सांस्कृतिक विरासत है। कोई भी कानून किसी संस्कृति की उपेक्षा करके नहीं बनाया जा सकता है। इतना ही नहीं समाज में दो तरह के न्याय मान्य हैं। एक संवैधानिक और दूसरा सामाजिक। जब समाज संवैधानिक न्याय से संतुष्ट नहीं होता तब वह जनता की अदालत में जाता है। उसका अंतिम निर्णय यहीं होता है।

सामान्य तौर पर यह माना जा रहा है कि पंच सदस्यीय न्यायपीठ का यह फैसला स्त्री–पुरुष के अधिकारों की रक्षा कर रहा है। अर्थात् यौनाचारी व्यवहार में अब तक जो स्वच्छंदता सिर्फ पुरुष को प्राप्त थी उसकी हकदार स्त्री भी है। मेरा मानना है कि यौनाचारी व्यवहार अत्यंत निजी होने के साथ ही पारस्परिक सहमति का सामाजिक आचरण भी है। स्त्री हो या पुरुष, सबके लिए हमारी सांस्कृतिक चेतावनी यही है कि एकाधिक यौनाचरी व्यवहार हमारे लिए न तो वैज्ञानिक है और न ही नैतिक ही। हम कोई भी समाजोपेक्षित व्यवहार करके समाज का अंग नहीं बन सकते। पति–पत्नी का संबंध न्यायिक विधान से अधिक सामाजिक विधान पर टिकता है। संवैधानिक कानून किसी की इच्छा के विरूद्ध उसके घर में प्रवेश नहीं कर सकता। मेरे विचार से समता के अधिकार का मतलब किसी नारी को पुरुष अथवा पुरुष को नारी बनाना नहीं है। प्रकुति ने स्वभाव से ही दोनो को भिन्न बनाया है। राजनीतिक अधिकारों के मामले में ही दोनों बराबर हो सकते हैं, प्राकृतिक अधिकारों के मामले में नहीं।

यहां मेरा व्यक्तिगत विचार यह है कि इस फैसले का परिणाम स्त्री–पुरुष दोनो को समान रूप से स्वच्छंद यौवनाचार की अनुमति देने जैसा है। इसका दूरगामी परिणाम यह होगा कि वैवाहिक रिश्तों में दरारें आएंगी। घरेलू हिंसा के मामले बढ़ेंगे और अनैतिक व्यवहार को आश्रय मिलेगा।

– डॉ. शंकर मुनि राय

STATE LEVEL ONE DAY WORKSHOP ON "ION ANALYSIS"

A State Level One Day Workshop on "ION ANALYSIS" was organized by the Department of Chemistry, Govt. Digvijay Autonomous PG College, Rajnandgaon on 19th July 2018 under the novel concept of industrial collaboration with the sponsorship from Metrohm India Limited. Our sponsor, Metrohm India Limited is a multinational, Switzerland based total analytical solution provider, serving the Indian market for more than 2 decades. It covers all the zones in the country with 11 main offices coupled with 7 resident offices at remote locations. They also have an application laboratory in Chennai, with dedicated sections for major techniques to serve their customers with application support, method development and technical training.

This workshop was focused on various analytical tools applicable for ion analysis in different types of environmental and chemical samples. The Chief Guest was Prof. Hemlata Mohobaey Mam, Retired Principal, Govt. Digvijay Autonomous PG College, Rajnandgaon. The Chair Person was Dr. N.P. Rathod, Senior Agriculture Development Officer, Soil Testing Laboratory, Rajnandgaon. The Special guests were Mr. Thayarajan S, the Product Manager from Metrohm India Limited and Mr. Prashant Sahu, the Business Development Executive from Metrohm India Ltd. The Principal, Dr. R.N. Singh guided the workshop as the Patron. Mr. Younus Raza Beg, the Acting Head, Department of Chemistry was the Convenor. Dr. Priyanka Singh, Assistant Professor, Department of Chemistry was the Organizing Secretary. Mr. Gokul Ram Nishad, Mrs. Reema Sahu, Dr. D.K. Verma and Mr. Vikas Kande were the members of the Organizing Committee.

The workshop began with enlightening the lamp for Saraswati Vandana, the Goddess of knowledge, music, arts, wisdom and learning. It was followed by the welcome of our dignitaries with flowers and mementoes as a token of respect. Dr. Anita Maheshwar, Head, Dept. of Botany, Prof. Preetibala Taunk, Head, Dept. of Physics, Prof. Sonal Mishra, Head, Dept. of Microbiology, Prof. Kiran Lata Damle, Head, Dept. of Home Sciences, Dr. Suresh Patel, Dr. Pramod Mahish, undergaduation and postgrauation students were also present during the workshop. Prof. R.L. Ramteke, Dept. of Soil Sciences, Govt. Agriculture College, Rajnandgaon also attended the workshop.

The Chair Person, Dr. N.P. Rathod, Senior Agriculture Development Officer, Soil Testing Laboratory, Rajnandgaon delivered his talk on "The importance of ion analysis in agriculture". The Special Guest, Mr. Thyagarajan S, the Product Manager, Metrohm India Limited having 15 years of experience in the field of analytical chemistry delivered his lecture on "Ion Analysis from Metrohm". The lecture was interesting and focused on the role of ion exchange chromatography, voltammetry and titration in ion analysis. This lecture was not only important from the analytical chemistry point of view but it was also inspiring for our students regarding knowledge of job opportunities, scholarships and self-motivation.

The Chief Guest, Prof. Hemlata Mohobaey Mam, retired Principal, Govt. Digvijay Autonomous PG College, Rajnandgaon delivered a talk on "The basics of Ion Analysis". The talk was inspiring and knowledgeful. It proved to be advantageous and experience bringing to our B.Sc. and M.Sc. students as well. This was followed by certificate distribution by the Chief Guest, Prof. Hemlata Mohobaey. Mr. Younus Raza Beg from the Department of Chemistry concluded the workshop with his vote of thanks.

महाविद्यालय में नये रजिस्ट्रार ने पदभार ग्रहण किया

श्री दीपक कुमार परगनिहा ने महाविद्यालय में रजिस्टार के रूप में पदभार ग्रहण किया है। ये महाविद्यालय के तीसरे रजिस्ट्रार हैं। पहले रजिस्टार श्री गिरीश बख्शी के सेवानिवृत्त होने से बहुत दिनों तक पद रिक्त रहा। उनके बाद श्री बेनीराम वर्मा दूसरे रस्टिार बने थे। वर्माजी के अवकाश प्राप्त करने के बाद यह पद रिक्त था।

बेमेतरा जिले के तारालीम गांव के मूल निवासी श्री दीपक परगनिया की स्कूली और उच्च शिक्षा रायपुर से हुई है।

एमएससी भौतिक शास्त्र के विद्यार्थी रहे दीपक जी ने 2007 में आयोजित सहायक आडिट परीक्षा में 16वां स्थान प्राप्त किया था। आठ वर्षो तक सहायक संपरीक्षक के पद पर राजनांदगांव में ही सेवा देते हुए 2014 की सीजी पीएससी में परगनिया जी का नायब तहसीलदार के रूप में चयन हुआ। फिर 2018 की पीएससी में आपका चयन उच्च शिक्षा विभाग में रजिस्टार के पद पर हुआ है।

शांत, सुशील और प्रसन्नचित स्वभाव के दीपक परगनिया जी समय के पाबंद हैं। नियत समय पर अपना काम करना और दूसरों से भी इसी तरह की अपेक्षा रखना उनके स्वभाव में शामिल है।

हिंदी विभाग में स्वागत समारोह

हिंदी विभाग में स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने प्रथम सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं का पारंपरिक ढंग से स्वागत किया। इस अवसर पर विभागीय प्राध्यापकों ने उन्हें संबोधित किया और शुभकामनाएं दी।

राजनीति विज्ञान परिषद का गठन

शासकीय दिग्विजय पी.जी. महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में आज दिनांक 20.09.2018 को प्राचार्य के निर्देशानुसार सत्र 2018–19 के लिए विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान परिषद का गठन किया गया।

परिषद में निम्नलिखित छात्र–छात्राएँ विभिन्न पदों के लिए गुणानुक्रम के आधार पर मनोनीत किए गए

संरक्षक : प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह, **मार्गदर्शक** :डॉ. अंजना ठाकुर,

परिषद प्रभारी डॉ. अमिता बख्शी, श्री डी. सुरेश राव और प्रो. संजय सप्तर्षि।

अध्यक्ष : प्रीति साहू और लोकेश्वरी, **सचिव** डूलेश्वर प्रसाद, **सहसचिव** सपना, **कोषाध्यक्ष** राजूलाल, हलधर दास।

आयोजिन प्रभारी : अभिषेक, ओप्रकाश, हेमंत कुमार, देवकी वर्मा, सीमा, पार्वती, डगेश्वरी वर्मा, स्वेता साहू, चांदनी, धनसुधा, गुणिता, खिमल, शेषराम, पीलेश्वर, माधुरी, आनराम खान।

प्रचार प्रसार प्रभारी : वंदना, प्रकाश, कुसुम, ईश्वरी, मोनिका कोसरे, कुसुम देवांगन, मधुरानी, टीकेन्द्र, राजकुमार, शेषराम, नकुलराम, दीपिका यादव, खिमल, अकेंश्वरी, हेमंत कुमार, भूपत, लोकेश।

हिंदी शोध केन्द्र में शोध समिति की बैठक

विगत 26 सितंबर को महाविद्यालय के हिदी विभाग में विभागीय शोध समिति की बैठक संपन्न हुई। इस केन्द्र से शोध करने के लिए इच्छुक कुल आठ शोधार्थियों की शैक्षिक योग्यता की समीक्षा की गई। पश्चात् उन्हें विभाग में कोर्सवर्क के लिए अनुशंसा की गई। बैठक के प्रारंभ में विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय ने नये शोध निर्देशकों को बधाई दी।

महाविद्यालय में बैंक का कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में स्नातक स्तर में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए आई.सी.आई.सी. आई. बैंक के कैम्पस का आयोजन किया गया। एक्ज्युक्यूटिव पद के लिए 50 से अधिक विद्यार्थियों ने साक्षात्कार दिया। इस हेतु आई.सी. आई.सी. आई. बैंक के अधिकारी श्री मोहम्मद अशरफ ने उन्हे बैंक तथा पद के कार्य संबंधी जानकारी प्रदान की।

कैम्पस पूर्व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने सभी विद्यार्थियों को प्रेरक मार्गदर्शन देते हुए कहा कि कैम्पस से छात्रों का आत्म विश्वास बढ़ता है, सफलता असफलता को छोडकर मेहनत पूर्वक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शित करना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी छात्रों को शासकीय नौकरी की ओर भागते देखता हूं जबकि अशासकीय नौकरी में आगे बढ़ने और अपनी काबिलियत दिखाने के जितने अवसर होते है उतने कही नही मिलते है। इसलिए जो भी नौकरी मिले उसके लिए अपना पूर्ण प्रयास करना चाहिए। इस कैम्पस में महाविद्यालय के रोजगार मार्गदर्शन केन्द्र के समन्वय डॉ. संजय ठिसके तथा डॉ. एच.एस. अलरेजा, डॉ. के.एन. प्रसाद, रवि साहू एवं उनकी समिति का पूरी समिति का उल्लेखनिय योगदान रहा।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु इन्डक्शन कार्यक्रम

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राज. के IQAC द्वारा नवप्रेशित छात्र–छात्राओं हेतु इन्डक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय में दी जाने वाली सुविधाओं की जानक.ारी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह, IQAC के संयोजक डॉ. नीलू श्रीवास्तव, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. अनिता शंकर एवं डॉ. अनिता शाहा द्वारा प्रदान की गई। महाविद्यालय में प्रवेश के साथ–साथ नामांकन का होना जरुरी, महाविद्यालय के समय परिचय पत्र, किसी विद्यार्थियों को परिसर में अनावश्यक रुप से परेशान करने पर एंटी रैगिंग कमेटी को सूचना, महिला उत्पीड़न से संबंधित कमेटी का नाम एवं उनका फोन. नं. उपलब्ध कराना एवं नवीन परीक्षा प्रणाली की जानकारी, महाविद्यालय में दी जाने वाली अन्य N.SS, NCC, Neval, Sports, Gym, ऑटोनामस परीक्षा व्यवस्था, रोजगार मार्गदर्शन, स्कालरशिप, मेघावी विद्यार्थियों को दी जाने वाली गोल्ड मेडल, निःशुल्क स्पोकन इंग्लिश कक्षाएं के साथ–साथ महाविद्यालय में संचालित विभिन्न एड–आन कोर्स की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रथम वर्ष के छात्र–छात्राओं हेतु अपने परिवेश (ग्रामीण/शहरी) की स्वच्छता, जल शैक्षणिक पर्यावरण स्वस्थ्य पर्यावरण, जनचेतना से संबंधित कार्यो को प्रोजेक्ट के रुप में सम्मिलित किया जाना है।

इतिहास विभाग में क्रांति दिवस पर व्याख्यान

इतिहास विभाग में अगस्त क्रांति के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें वक्ता आई. ए. एस. स्वप्निल तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने उद्गार व्यक्त किये। प्रारंभ में विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने अगस्त कांति के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 7 अगस्त 1942 को कांग्रेस का अधिवेशन बम्बई में प्रारंभ हुआ था और 8 अगस्त को महात्मा गांधी ने समिति के समक्ष "भारत छोड़ो आन्दोलन" का अपना ऐतिहासिक प्रस्ताव रखा। कांग्रेस कार्य समिति ने गांधी जी के नेतृत्व में आन्दोलन प्रारंभ किया था। आई. ए. एस. स्वप्निल ने कहा कि– कांग्रेस ने तुरंत "भारत छोड़ो आन्दोलन" प्रारंभ नहीं किया, गांधी जी सरकार से बात कर समझौते के पक्ष में थे। उनकी शिष्या निराबेन ने वायसराय से मिलकर समझौते का प्रयास किया।

मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों से कहा कि–वे आजादी के मूल्य को समझें तथा राश्ट्र निर्माण में अपना योगदान करें।

प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिह ने कहा कि गांधी जी ने लगभग 70 मिनिट तक भाशण दिया था और उन्होंने इस आन्दोलन हेतु "करो या मरो" का नारा दिया। आन्दोलन के पूर्व ही 9 अगस्त को सारे बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था, सरकार ने इस आन्दोलन को बुरी तरह कुचल दिया था। इसके बावजूद 1942 का क्रांति भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में विशेष स्थान रखता है। आभार प्रदर्शन प्रो. हिरेन्द्र ठाकुर द्वारा किया गया।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों को मिला संचार क्रांति मोबाईल

शासन की संचार क्रांति योजना के तहत निर्धारित समयावधि में महाविद्यालय के कुल 97.17 प्रतिशत विद्यार्थियों को मोबा. ईल प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त योजना के अंतर्गत महाविद्यालय के कुल 4060 विद्यार्थियों का पंजियन हुआ था, जिनमें से कुल 3946 विद्यार्थियों ने समय पर उप. स्थित होकर अपना मोबाईल प्राप्त कर लिया।

इसी प्रकार मॉडल के लिए कुल पंजीकृत 66 विद्यार्थियों में से 60 को मोबाईल वित. रित किया गया है।

बूटकैंप कार्यशाला

स्टार्टअप इण्डिया कार्यक्रम के तहत् शास. मिनीमाता पालीटेक्निक कॉलेज राजनांदगांव में एक दिवसीय बूट कैम्प कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया । कार्यक्रम का उद्देश्य युवकों में रोजगार के प्रति जागरुकता लाने व नए उद्यम क्षमता के विकास के लिए प्रेरित करना था ।

उक्त कार्य शाला में दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के वाणिज्य संकाय के लगभग 100 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया । कार्यशाला में बाहर से आये विषय विशेशज्ञ द्वारा विद्यार्थियों में उद्यमिता विकास से संबंधित जानकारी दी गई तथा विद्यार्थियों ने नये व्यवसाय आइडिया के लिए विचार सुने गये। कुल 20 चयनित विद्यार्थियों में से जिन 07 वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों का चयन इस महाविद्यालय से हुआ उनके नाम हैं– पवन कुमार यादव, अविनाश, सुरभि श्रीवास्तव, लेखिका साहू, पूजा खण्डेलवाल, (एम. कॉम से) तथा महावीर जैन व एजाज बैग की. कॉम से चयन हुआ ।

विद्यार्थियों के चयन होने पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर. एन. सिंह तथा महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों ने बधाई व शुभकामनाएं दी।

शिक्षक दिवस

राजनीति विज्ञान विभाग में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्षा प्रो. डॉ अंजना ठाकुर ने डॉ राधाकृष्णन के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला तथा छात्रों से अपील की कि वे उनके बताए हुए रास्ते पर चले। प्रो. डॉ अमिता बक्शी ने शिक्षक दिवस की महत्ता को बताया। श्री संजय सप्तर्षि ने बताया कि जिस प्रकार बिना बच्चों के कोई माता नही हो सकती उसी प्रकार बिना छात्रों के कोई शिक्षक नही हो सकता। इस कार्यक्रम का संचालन एम. ए. पूर्वार्द्ध के छात्र अखिल शुक्ला ने किया।

बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टि चाहिए ताकि सृष्टि को समझ सकें - संतोष टकाले

विज्ञान क्लब व आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव(छ.ग.) में एकदिवसीय विशेष व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया

प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह के मार्गदर्शन व निर्देशन में शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव में "वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ब्रह्माण्ड की समझ" शीर्षक पर एकदिवसीय विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जिसके मुख्य व्याख्यानकर्ता श्री संतोष टकाले (वरिष्ठ वैज्ञानिक भाभा परमाणु अनुसन्धान केंद्र, मुंबई) थे ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों के स्वागत के साथ प्रारम्भ हुआ । अपने व्याख्यान में उन्होंने बताया की प्रत्येक प्राकृतिक घटना के पीछे विशेष वैज्ञानिक कारण होते है जिसको दकियानूसी विचारों से जोड़कर अपने वैज्ञानिक सोच को समाप्त न करें ' सृष्टि की रचना व ब्रह्माण्ड के निर्माण से लेकर आज तक के समस्त प्राकृतिक व सामजिक परिवर्तनों को कालक्रम के अनुसार बड़े ही रोचक ढंग से उदाहरण के साथ सभी को बताया गया । बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने पर जोर देते हुए श्री टकाले जी ने बताया की समस्त ज्ञान किताबों से ही मिल जाता तो लोग स्कूल व महाविद्यालयों में क्यों जाते घर पर ही किताबों को पढ़ लेते, इन शैक्षणिक संस्थाओं में ज्ञान के साथ अनुशासन भी सबको मिलता है और समुचित ज्ञान प्राप्ति के लिए अनुशासन अनिवार्य है ।

श्री टकाले जी द्वारा संचालित निःशुल्क शैक्षणिक संस्थान "टकाले चैरिटेबल ट्रस्ट" एवं टकाले विद्या गुरुकुल" की जानकारी दी गई जहाँ पर बच्चों को पीएससी व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं का अध्यापन कराया जाता है ' उन्होंने बच्चों से सीधे संवाद के दौरान बताया की एक सामान्य व्यक्ति से वैज्ञानिक बनने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मेहनत, लगन एवं अनुशासन अत्यंत आवश्यक होता है और इसे हमेशा ही पालन करना पड़ता है ।

उक्त कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुरेश पटेल एवं उपसंयोजक प्रोफ़ेसर माजिद अली थे, कार्यक्रम के अंतिम चरणों में डॉ. सुरेश पटेल ने बताया की श्री टकाले जी सम्पूर्ण भारत में निःशुल्क व्याख्यान देने जाते है लगभग सभी जिलों में इनका व्याख्यान का आयोजन होना है ' इस कार्यक्रम में विज्ञान क्लब व आईक्यूएसी सेल के सभी सदस्य, महविद्यालय के अन्य विभाग के समस्त प्राध्यापक, बीएससी व एमएससी कक्षाओं के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

ईंधन सुरक्षा पर कार्यशाला

दिनांक 20/07/2018 को प्राचार्य डॉ.आर.एन. सिंह के मार्गद र्शन में **महिला उत्पीड़न निवारण विकास समिति** द्वारा उज्जवला योजना के अवसर पर ईंधन सुरक्षा पर कार्य ाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि श्री नरेश डाकलिया ने छात्र–छात्राओं को ईंधन सुरक्षा, कु लता एवं स्वास्थ्य के प्रति सजगता की जानकारी तथा घर में उपयोग की जाने वाली गैस सिलेण्डर से होने वाली दुर्घटना से सुरक्षित रहने के उपाय डेमों के माध्यम से प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में उपस्थित श्रीमती सुनीता कोठारी अध्यक्ष लायंस क्लब राजनांदगांव ने छात्र–छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरुक होने, भुजंग राव बोबडे ने पर्यावरण को सुरक्षित रखने का आहवान किया। मां बम्लेश्वरी बोर्ड संस्था के शिव कुमार देवांगन ने महिला उत्थान के कार्यक्रमों की जानकारी छात्र–छात्राओं को प्रदान की।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. बी.एन. जागृत, प्रो. प्रीतिबाला टांक, प्रो. कविता साकुरे, प्रो. ललिता साहू, डॉ. अनिता भाहा. डॉ. प्रियंका सिंह. प्रो. पिंकी गर्ग उपस्थित रही। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. (श्रीमती) मीना प्रसाद ने अतिथियों का आभार प्रस्तुत किया।

कलेक्टर ने किया जिले में शतप्रतिशत मतदान का आह्वान

महाविद्यालय परिवार ने दुहराई प्रतिज्ञा

जिला कलेक्टर श्री भीम सिंह ने मतदाता जागरुकता अभियान के तहत विगत 26 सितंबर को महाविद्यालय परिवार को संबोधित किया। साथ ही जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने की प्रतिबद्धता के साथ लगभग दो हजार विद्यार्थियों के साथ महाविद्यालय परिवार ने इसके लिए सामूहिक प्रतिज्ञा ली। इस अवसर पर आपने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदान करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। मतदान प्रक्रिया से जुड़ी वी.वी.पी.ए.टी. मशीन की कार्यप्रणाली और उससे मतदान की पारदर्शिता को समझाते हुए आपने कहा कि इस विधि में मतदान की विश्वसनीयता असंदिग्धि है। आपने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने आस–पास रहने वाले दिव्यांग मतदाताओं को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करें और मतदान केन्द्र तक पहुंचाने में उनकी मदद भी करें।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री चंदन कुमार ने कहा कि निर्वाचन कार्य लोकतंत्र का महापर्व है। इसमें युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्हें अपने मताधिकार का महत्व समझते हुए शतप्रतिशत मतदान करना चाहिए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने भी मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला और कार्यक्रम का संचालन स्वीप प्लान के नोडल अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ओंकार यदु, जिला नोडल अधिकारी श्रीमती रश्मि सिंह

सहित जिला मास्टर टेनर श्री संजय ठिसके और कैलाश देवांगन सहित पूरा महाविद्यालय परिवार उपस्थित था।

" पर्यावरण की सुरक्षा भी देशभक्ति है "

प्राचार्य डॉ. आर एन सिंह के मार्गदर्शन एवं रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. यूनुस रज़ा बेग के नेतृत्व में प्रत्येक वर्षानुसार इस वर्ष भी विश्व ओजोन दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सर्वविदित है की सूर्य से आने वाले हानिकारक विकिरण पराबैगनी किरने जो मनुष्य की त्वचा को जला देती है व त्वचीय कैंसर जैसी असाध्य बीमारी को जन्म देती है साथ ही यह मनुष्य की आँखों पर भी विपरीत प्रभाव डालती है और पेड़ पौधों पर भी बुरा प्रभाव डालती है

इस करण लोगों में जागरूकता के लिए इस महाविद्यालय में प्रत्येक वर्ष रसायन शास्त्र द्वारा विश्व ओजोन दिवस का आयोजन किया जाता है ᵖ रसायन शास्त्र विभागाध्याक्ष प्रो. यूनुस रज़ा बेग ने बताया की लोगों में जागरूकता का आभाव है अपने पर्यावरण एवं स्वच्छता के प्रति । इसके लिए ज्यादा जरुरी यह है की लोग इसे अनिवार्यतः ले । आजादी के पूर्व शोषण , अत्याचार एवं गुलामी का विरोध कर देश सेवा करना देशभक्ति कहलाती थी परन्तु आज के युग में देशभक्ति का अर्थ बदल गया है, वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण का लगातार प्रदूषित होना है और जो व्यक्ति पर्यावरण की सुरक्षा का कार्य करता है वह भी एक देश भक्त की तरह होता है तथा जो लोगो में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तथा स्वच्छता के लिए कार्य करता है यह कार्य भी एक प्रकार की देशभक्ति है ।

प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने अपने उद्बोधन में सभी से आव्हान किया की पर्यावरण की सुरक्षा, स्वचछता इत्यादि हेतु शुरुआत स्वयं से करें यदि प्रत्येक मनुष्य यह सोच ले की यह कार्य सबसे महत्वपूर्ण है तो ओजोन परत में हो रहे क्षरण को कम किया जा सकता है । श्री दिलीप परगनिहा (रजिस्ट्रार) द्वारा ओजोन परत के क्षरण को रोकने के उपाय के बारे में जानकारी दी गई परगनिहा जी ने बताया की ओजोन परत क्षरण का मानवीय व् प्राकृतिक कारण दोनों है , लोगों को कम से कम एसी व रेफ्रिजेरेटर का उपयोग करना चाहिए ताकि उनसे निकालने वाली हानिकारक गैसे ओजोन परत को नुकसान न पहुंचाए ।

ओजोन परत से सम्बंधित जानकारी व उनके क्षरण के उपायों पर एमएससी पूर्व व अंतिम (रसायन शास्त्र) के विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर प्रस्तुतीकरण व प्रोजेक्टर प्रस्तुतीकरण दिया गया, तत्पश्चात रसायन शास्त्र विभाग में प्राचार्य के कर कमलो द्वारा पौधारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ ।

विश्व ओजोन दिवस के इस कार्यक्रम में विभाग के सभी प्राध्यापक डॉ. प्रियंका सिंह, प्रो. गोकुल निषाद, प्रो. रीमा साहू, डॉ. डाकेश्वर कुमार वर्मा एवं प्रो. विकास कांडे के साथ विभाग के सभी अतिथि व्याख्याता तथा एमएससी पूर्व व अंतिम (रसायन शास्त्र) के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

साक्षरता दिवस पर परिचर्चा

महाविद्यालय के **अर्थशास्त्र विभाग** में 09 सितम्बर को अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर विभाग के छात्रों द्वारा परिचर्चा आयोजित की गई । परिचर्चा शिक्षा एवं विकास पर केन्द्रित रही । परिचर्चा के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य आदरणीय डॉ. आर. एन. सिंह ने छात्रों को शुभकामनाएं दी । छात्र गौतम कुमार एम. ए. तृतीय सेमे. स्टर ने अपना प्रश्न रखते हुए कहा कि एक शिक्षित व्यक्ति अधिक क्षमता एवं सक्रियता से कार्य करके उत्पादन में योगदान देता है, जिससे विकास को गति मिलती है। तृतीय सेमेस्टर के छात्र नुमेश ने कहा कि साक्षरता मानव जीवन तथा देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण घटक है । शिक्षा का आशय आपने अक्षर ज्ञान (साक्षरता) को बताया जो किसी डिग्री से ही संबंधित नही होती । यदि व्यक्ति को पढ़ना आता है, साथ ही यदि वह किसी भी कार्य की तकनीक को सीख ले तथा उसका उपयोग उत्पादन हेतु करे तो यह वास्तव में शिक्षा को बताता है ।

प्रथम सेमेस्टर की छात्रा कु. पूजा पाण्डेय ने शिक्षा व विकास में अन्तः संबंध बताया और कहा कि विश्व स्तर पर विकास की दौड़ हेतु शिक्षा प्राप्ति अनिवार्य है । बिना इसके व्यक्ति विभिन्न क्षेत्रों में पिछड़ जाता है । व्यक्ति में कौ ाल का विकास होने पर वह किसी भी कार्य को अधिक योग्यता से कर पाता है । एम. ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा कु. ऐश्वर्या यादव ने विकास के लिये, व्यक्ति की साक्षरता हो अनिवार्य बताया। एम. ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कु. हीरल कनैया ने शिक्षा व विकास पर अपनी बात रखते हुए कहा कि शिक्षा का आशय डिग्री लेने से ही नही है यदि व्यक्ति को अक्षर ज्ञान है, वह किसी भी उत्पादन विधि को सीख ले तो इससे उसको रोजगार मिल सकता है । आज मानव विकास सूचकांक द्वारा विभिन्न देशों का क्रम निर्धारित किया जाता है । इसमें साक्षरता सूचकांक एक प्रमुख घटक है । तृतीय सेमेस्टर के छात्र ओंकार ने माना कि पढ़ा लिखा व्यक्ति देश की समस्याओं के समाधान में अपनी सहभागिता अधिक सक्रियता से निभाता है । इस परिचर्चा में विभागाध्यक्ष डॉ. चन्द्रिका नाथवानी, प्राध्यापक डॉ. डी. पी. कुर्रे, सहायक प्राध्यापक डॉ. (श्रीमती) सुमीता श्रीवास्तव एवं डॉ. (श्रीमती) मीना प्रसाद ने भी छात्रों को संबोधित किया।

अंग्रेजी साहित्य परिषद का गठन

प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह के मार्गदर्शन में अंग्रेजी विभाग में सत्र 2018–19 के लिए ''लिटरेरी एसोसिएशन'' का गठन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में डॉ. शीला तिवारी, पूर्व प्राचार्या, बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर एवं वर्तमान प्राचार्या, चौ. कसे इंजीनियरिंग कॉलेज, बिलासपुर उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की आराधना एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई। विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता शंकर ने अतिथियों का स्वागत किया एवं एसोसिएशन के द्वारा वर्षभर में किए जाने वाली गतिविधियों की जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने परिषद के पदाधिकारियों के नाम की घोषणा की और उनके दायित्व का बोध कराया। आपने आगे कहा कि विद्यार्थी अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को निरंतर जारी रखें एवं पढ़ाई के साथ–साथ व्यक्तित्व विकास एवं स्पोकन इंग्लिश की ओर ध्यान दें जो वर्तमान समय की आवश्यकता है। उन्होंने इस वर्ष के पदाधिकारियों के नाम घोषित किए, जो इस प्रकार है :– **अध्यक्ष**–कु. अफशान महक, **उपाध्यक्ष**–कु. मुनिरा हैदरी, सचिव–कु. उन्नति तिवारी, उप सचिव–कु. रंजना अंबादे एवं **कोषाध्यक्ष**–कु. हीना निषाद। सदस्य के रूप में खिलेन्द्र कुमार, कु. महिमा गढ़वाल, कु. पूजा बेरवंशी का नाम रखा गया है। अतिथि वक्ता डॉ. शीला तिवारी ने अंग्रेजी साहित्य के इतिहास विषय पर व्याख्यान दिया एवं स्पोकन इंग्लिश में आने वाली दिक्कतों के लिए उन्हें कुछ उपयोगी टिप्स दिये।

निर्वाचक साक्षरता क्लब के कार्यक्रम

महाविद्यालय के निर्वाचक साक्षरता क्लब के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों को सांप सीढ़ी एवं लंगडी खेल के माध्यम से निर्वाचन मतदान की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्रदान की गई। निर्वाचक साक्षरता क्लब के नोडल अधिकारी प्रो. संजय देवांगन ने निर्वाचन से संबंधित विभिन्न जानकारियों को रोचक ढंग से बच्चों को बताए। विद्यार्थियों ने भी उत्साह पूर्वक भाग लिये एवं मतदान से संबंधित जानकारी अपने गांव के मतदाताओं को भी देने के लिए संकल्प लिये।

राज्य स्तरीय महिला शक्ति केन्द्र का शुभारंभ, महाविद्यालय के विद्यार्थी बने वालेंटियर

महाविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ.आर.एन.सिंह के निर्देशन, विजय मानिकपुरी के मार्गदर्शन एवं प्रो. संजय सप्तर्शि और प्रो. संजय देवांगन के संरक्षण में राज्य स्तरीय महिला शक्ति केन्द्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, महिला एवं बाल विकास मंत्री रमशीला साहू, समाज कल्याण बोर्ड अध्यक्ष्य श्रीमती शोभा सोनी औद्योगिक विकास निगम अध्यक्ष छगन मूंदड़ा, सांसद श्री अभिशेक सिंह वेयर हाऊस कारपोरेशन अध्यक्ष नीलू शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री ने सभी ब्लाक के चयनित वालेंटियर को बधाई देते हुए कहा कि हम राज्य महिला आयोग का शुभारंभ राजनादगांव जिला के अस्मिता महिला केन्द्र से किया है। यह राज्य के 11 जिले में संचालित किया जा रहा है इसका उद्देश्य सरकार के सभी योजनाओं को ग्रामीण महिलाओं तक पहुंचाना, महिला शक्तिकरण को बढावा देना है।

मंत्री श्रीमति रमशीला साहू ने बधाई देते हुए कहा कि हम महिलाओं को इन सभी कॉलेजो से चुने हुए वालेंटियर के माध्यम से महिला भाक्तिकरण को बढ़ावा देगे और समाज सेवा के माध्यम से ग्रामवासियों को सरकार की सभी योजनाओं का लाभ दिलायेंगे। महिला शक्ति केन्द्र उद्घाटन हेतु चयनित सभी विद्यार्थियो को कार्य करने के पूर्ण प्रशिक्षण कले. क्टर भीम सिंह के मार्गदर्शन में डी.सी. श्री अभिशेक त्रिपाठी, प्रो. विजय मानिकपुरी द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम में दिग्विजय महाविद्यालय के चयनित वा. लिटियर ने कार्यक्रम में लिडिंग भूमिका निभाई।

दिग्विजय कॉलेज के समाज कार्य विभाग के चयनित वालिटियर खुलास दास, अनुराग खलखो, बालमुंकुद वर्मा, वंदना सिंह, शेफाली तिवारी, लुकेश्वरी साहू, वर्षा पटेल, रूपा देवांगन, प्रगति यदु आदि विद्यार्थियों को प्राचार्य डॉ.आर.एन.सिंह ने महाविद्यालय परिवार को बधाई दी।

स्वामित्व एवं प्रशासक : शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय किलापारा, राजनांदगांव (छत्तीसगढ)। महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग द्वारा त्रैमासिक प्रकाशित। संरक्षक एवं प्रकाशक :– (प्राचार्य) डॉ. आर.एन.सिंह, प्रधान संपादक एवं निर्देशक:– डॉ. शंकर मुनि राय, समाचार संपादक :– डॉ. राम आशीष तिवारी । e-mail : shankermunirai@gmail.com.phone- 9893863548 मुद्रक : सम्मान पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि., बलदेव बाग, राज. ✆ 7000723690